# कालोटा में दबिश देने गई वन विभाग की टीम पर खनन माफिया ने पत्थर बरसाये

## टीम ने खेतड़ी, चिड़ावा और झुंझुनूं रेंज के स्टाफ के साथ कालोटा गांव में दबिश दी

**झुंझुनूं, (निसं)।** जिले के खेतड़ी इलाके के कालोटा गांव में रविवार को कार्रवाई करने गई वन विभाग की टीम के सामने खनन माफिया हो गए। टीम पर ना केवल पत्थर बरसाए गए, बल्कि करीब पांच किलोमीटर तक वन विभाग की गाड़ियों और जब्त ट्रैक्टरों को छुड़वाने के लिए दो दर्जन से अधिक बाइकों पर सवार युवकों ने विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को धमकियां दी।

एसीएफ कमलचंद ने बताया कि काफी दिनों से सूचना मिल रही थी कि कालोटा वन क्षेत्र स्थित पहाड़ी में अवैध खनन माफिया सक्रिय हो रहे हैं, जिस पर झुंझुनूं डीएफओ गुलजारीलाल जाट के निर्देशन में रविवार को खेतड़ी, चिड़ावा और झुंझुनूं रेंज के स्टाफ के साथ कालोटा गांव में दबिश दी गई। टीम मौके पर पहुंची तो वहां पर करीब डेढ़ दर्जन ट्रेक्टरों में अवैध चेजा पत्थर भरा हुआ था, लेकिन टीम को देखकर सभी ट्रैक्टर इधर-उधर भाग गए। मौके पर टीम ने चार ट्रैक्टरों को पकड़ा और उन्हें अपने साथ ले जाने लगे तो पहाड़ी में छुपे खनन माफियाओं ने पत्थर बरसाने शुरू कर दिए, जिसके चलते महिला वनकर्मी और वाहन बाल-बाल बचे। टीम ने जैसे तैसे दो ट्रैक्टर और एक आरोपी को अपने साथ लिया और मौके से रेंज कार्यालय खेतड़ी के लिए रवाना हुए।

वन विभाग की टीम ने दो ट्रैक्टरों को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया।

- पांच किमी तक वन विभाग की गाड़ियों और जब्त ट्रैक्टरों को छुड़वाने के लिए दो दर्जन से अधिक बाइक सवार युवकों ने अधिकारियों व कर्मचारियों को धमकियां दी
- वन विभाग की टीम को चलती बाइक से धमकी देने और भारी संख्या में बाइकों को गाड़ियों के आगे-पीछे दौड़ने का वीडियो भी वायरल हो रहा है

रेंजर विजय कुमार फगेड़िया ने बताया कि खनन माफियाओं में किसी प्रकार का खौफ नहीं दिखा, जिस आरोपी शीशराम को वन विभाग की टीम ने पकड़ा था, उसका ही सगा भाई भागीरथ बाइक पर अपने साथियों के साथ आया। भागीरथ और उसके साथ बड़ी संख्या में युवक करीब दो दर्जन बाइकों पर सवार थे, जिन्होंने कालोटा से लेकर बबाई तक, करीब पांच किलोमीटर तक वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को धमकाने और डराने की कोशिश की। साथ ही जब्त ट्रैक्टर और अपने भाई को छुड़वाने की कोशिश की, लेकिन नाकामयाब रहे। वन विभाग की टीम को चलती बाइक से धमकी देने और भारी संख्या में बाइकों को गाड़ियों के आगे पीछे दौड़ने का वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि खेतड़ी इलाके में खनन माफियाओं की हद तक बेखौफ हो चुके हैं।

वहीं टीम ने दो ट्रैक्टरों को जब्त कर शीशराम नाम के चालक को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई टीम में एसीएफ कमलचंद, रेंजर विजय फगेड़िया, वनपाल संजय कुमार, सत्यवीर झाझड़िया, सहायक वनपाल पिंकू कुमार, मनोज कुमार मीणा, ओमप्रकाश, वनरक्षक भारत कुमार, सुमेर सिंह, राधेश्याम गुर्जर कविता कुमारी, सुमन कुमारी, महेंद्र सिंह, वाहन चालक रामकुमार, महिपाल सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

# प्रदेश के 509 प्रिंसिपल का तबादला, आदेश जारी

**बीकानेर, (निसं)।** शिक्षा विभाग में ट्रांसफर का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश के 509 प्रिंसिपल के ट्रांसफर कर दिए गए हैं। बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को उनके जिले से बाहर अन्य जिलों में भी भेजा गया है, वहीं कुछ प्रिंसिपल को पदस्थापन की प्रतीक्षा (एपीओ) करते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में हाजिरी देने के आदेश दिए गए हैं। लंबे इंतजार के बाद जारी इस लिस्ट से कुछ प्रिंसिपल अपनी होम डिस्ट्रिक्ट पहुंच रहे हैं, वहीं कुछ को घर से दूर जाना पड़ रहा है।

- बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को उनके जिले से बाहर अन्य जिलों में भी भेजा गया
- कुछ प्रिंसिपल को एपीओ करते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में हाजिरी देने के आदेश दिए

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सभी प्रिंसिपल तुरंत प्रभाव से अपने कार्य स्थल से रिलीव होंगे और नए स्थान पर ज्वाइन करेंगे। 53 पेज के तबादला आदेश में सभी जिलों के प्रिंसिपल शामिल किए गए हैं। कुछ प्रिंसिपल को स्कूल से हटाकर अब ब्लॉक एलिमेंटरी एज्यूकेशन ऑफिसर (बीईओ) बना दिया गया है। इन पद पर आने वाले प्रिंसिपल को अपना गृह जिला छोड़ना पड़ा है। वहीं बीईओ पद से कुछ को वापस स्कूल में प्रिंसिपल बना दिया गया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक पद पर कार्यरत कुछ प्रिंसिपल को अब अन्य जिलों में जाना पड़ा है। बीकानेर के अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा ओमप्रकाश गोदारा का ट्रांसफर अब बाड़मेर के राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल ढाको का ताला धनाऊ किया गया है।

जैसलमेर से गोपी किशन व्यास को बीकानेर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एडीओ की जिम्मेदारी मिली है। उधर, संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा कार्यालय में रामकिशोर को पदस्थापित किया गया है, जो अब तक देराजसर के सरकारी सीनियर सैकंडरी स्कूल में प्रिंसिपल थे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक के स्टाफ ऑफिसर के ऑफिस में मीना खत्री को नई जिम्मेदारी दी गई है। मीना खत्री वर्तमान में राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल देराजसर में प्रिंसिपल पद पर थी। इला पारीक और गोमाराम जीनगर को भी संयुक्त निदेशक बीकानेर ऑफिस में सहायक निदेशक के रूप में लगाया गया है।

गुरु प्रसाद भार्गव को सियासर पंचकोसा के सरकारी सीनियर सैकंडरी स्कूल से, भरत रामावत को सियाणा भाटियान के सरकारी सीनियर सैकंडरी स्कूल से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय लाया गया है। अरविन्द शर्मा को राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल लालसर से पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा कार्यालय में लगाया गया है। चूरू से संदीप शर्मा को निदेशालय में ही सहायक निदेशक पद पर लगाया गया है।

अनिल कुमार गोगिया को गोविंदसर के सीनियर सैकंडरी स्कूल से निदेशालय में एडीईओ लगाया गया है। दिनेश कुमार आचार्य को भी पहलवान का बेरा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से अब शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय में लगाया गया है। संज्ञा गुप्ता को जयसिंहदेसर मगरा से प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक पद पर जिम्मेदारी दी गई है। अरविन्द बिट्ठू, रामनिवास, कृष्ण लाल को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में एडीईओ की जिम्मेदारी दी गई है।

जैसलमेर से गोपी किशन व्यास को भी माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में पोस्टिंग मिली है। चंद्रहास मेघवंशी को प्रारम्भिक शिक्षा में सीनियर डिप्टी डीईओ और नीतू वर्मा को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक के पद पर लगाया गया है। अर्चना शर्मा को भी माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में लगाया गया है। प्रिंसिपल की बड़ी लिस्ट के बाद अब एक और लिस्ट जारी हो सकती है। जिसमें शेष रहे प्रिंसिपल के भी तबादले हो सकते हैं। उधर, लेक्चरर, हेड मास्टर और सेकेंड ग्रेड टीचर्स भी ट्रांसफर के इंतजार में है।

# नीमकाथाना क्षेत्र के अधिकांश गांवों के लोग फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर

## ग्रामीणों ने समस्या के बारे में अनेक बार विभागीय अधिकारियों से लेकर स्थानीय प्रशासन को भी अवगत कराया, पर कोई ध्यान नहीं दिया गया

**पाटन, (निसं)।** प्रदेश के कई ग्रामीण अंचलों में लोग वर्षों से फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर हैं। नीमकाथाना क्षेत्र के अधिकांश गांव के लोगों को फ्लोराइड युक्त पानी पीना पड़ रहा है, जिसको लेकर ग्रामीणों ने अनेक बार विभागीय अधिकारियों से लेकर स्थानीय प्रशासन को भी अवगत करवाया, परंतु प्रशासन ने भी इस गंभीर समस्या के समाधान की तरफ ध्यान नहीं दिया। इतनी बड़ी समस्या के बावजूद भी न तो कोई सुनने वाला है और न ही कोई बोलने वाला है। राजस्थान और हरियाणा समेत केंद्र में भी भाजपा की सरकार होने के बावजूद बहुप्रतीक्षित कुंभाराम लिफ्ट परियोजना को अभी तक धरातल पर नहीं लाया गया है। यह परियोजना यदि शुरू की जाती, तो हजारों लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल सकता था। परंतु स्थितियां जस की तस बनी हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि फ्लोराइड युक्त पानी पीने से बच्चों और युवाओं में हड्डियों की कमजोरी, दांतों का खराब होना और अन्य शारीरिक विकृतियां तेजी से फैल रही है। इसके साथ ही इलाके में लगातार उड़ती धूल और मिट्टी ने लोगों की सेहत को और खराब कर दिया है। डोकण निवासी मनिष चतुर्वेदी ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि सिर्फ योजनाएं बनती हैं, लेकिन जमीन पर कुछ भी नहीं दिखाई देता। कुंभाराम लिफ्ट परियोजना जैसे जल जीवनदायिनी प्रयास को शीघ्र शुरू किया जाना नितांत आवश्यक है, ताकि आमजन को राहत मिल सके और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दिया जा सके।

- बहुप्रतीक्षित कुंभाराम लिफ्ट परियोजना यदि शुरू हो जाती, तो हजारों लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल सकता था
- ग्रामीणों का कहना है कि फ्लोराइड युक्त पानी पीने से बच्चों और युवाओं में हड्डियों की कमजोरी, दांतों का खराब होना और अन्य शारीरिक विकृतियां तेजी से फैल रही है

# डॉ. सतीश पूनियां आज से प्रदेश के सात जिलों के प्रवास पर

**जयपुर।** भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां सोमवार से 7 अगस्त तक राजस्थान के 7 जिलों के प्रवास पर रहेंगे, जहां वह विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सतीश पूनियां मारवाड़, मेवाड़-वागड़ के चार दिवसीय प्रवास पर डीडवाना-कुचामन, नागौर, अजमेर राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा इत्यादि जिलों में पार्टी कार्यक्रमों, कार्यकर्ता मिलन, कार्यकर्ताओं को सम्बल और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

- डॉ. पूनियां मारवाड़, मेवाड़-वागड़ में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे

सतीश पूनियां सोमवार को सुबह दस बजे जयपुर से सड़क मार्ग द्वारा डीडवाना कुचामन और नागौर जिले के लिए प्रस्थान करेंगे, दोपहर एक बजे कुचामन एवं तीन बजे रोल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करेंगे, शाम 5 बजे मूंडवा में पूर्व जिला अध्यक्ष रमाकांत शर्मा के निवास स्थान पर उनकी माताजी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, शाम 6:30 बजे रैण में रामस्नेही आश्रम और रात्रि आठ बजे मेड़ता में मीरा महोत्सव में शामिल होंगे। पांच अगस्त को सतीश पूनियां सुबह 11 बजे नाथद्वारा में श्रीनाथजी भगवान के दर्शन करेंगे, उदयपुर में दोपहर एक बजे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे और दोपहर तीन बजे उदयपुर के शोभागपुरा में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। छह अगस्त को पूनियां डूंगरपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक आदिवासी माता-बहनों के साथ रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल होंगे, शाम छह बजे चित्तौड़गढ़ के मंडफिया में श्री सांवलिया सेठ जी के दर्शन करेंगे, इसके बाद गोकुल विश्रांति गृह में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। सात अगस्त को सुबह सतीश पूनियां भीलवाड़ा स्थित जैन स्थानक में डॉ. कुमुदलता जी महाविद्वानसति के दर्शन करेंगे, पूर्व सभापति दिनेश शर्मा के निवास स्थान पर उनकी माताजी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, 12 बजे से भीलवाड़ा सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे, शाम को चार बजे माधव गौशाला जाएंगे, शाम को पांच बजे जयपुर के लिए सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान करेंगे।

# करंट लगने से बुजुर्ग की मौत

**टोंक, (निसं)।** कोतवाली थाना क्षेत्र के रामापीर कॉलोनी में गुजर रही 11 केवी लाइन के करंट की चपेट में आने से शनिवार को झुलसे बुजुर्ग की जयपुर में एक अस्पताल में मौत हो गई, जिसके बाद रविवार को परिजनों और कॉलोनी के लोग रविवार को धन्ना तलाई क्षेत्र में कृषि मंडी रोड पर जाम लगाकर धरने पर बैठ गए। साथ ही बिजली निगम और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इसकी सूचना मिलने के बाद टोंक एसडीएम व अति. पुलिस अधीक्षक एवं तहसीलदार, थाना कोतवाली प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश की, लेकिन परिजन व क्षैत्रवासी नहीं माने तथा उन्होंने मृतक के एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने और 50 लाख रुपए देने की मांग की। पांच घंटे बाद सहमति बनी। सहमति के तहत मृतक के एक आश्रित को संविदा पर नौकरी, ज्यादा से ज्यादा सहायता राशि दिलवाने और हाईटेंशन लाइन को हटाने के आश्वासन पर सहमति बनी।

# नीट परीक्षा में अच्छे नंबर दिलाने का झांसा देकर छात्र से 8.50 लाख ठगे

**कोटा, (निसं)।** शहर में मेडिकल एंट्रेंस की कोचिंग करने आए बिहार के छात्र से नीट यूजी परीक्षा पास करवाने की एवज में लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि आरोपी भी छात्र के दोस्त हैं, जिन्होंने उससे परीक्षा पास करवाने की एवज में लाखों रुपए ठग लिए। ठगी का मामला सामने आने पर जवाहर नगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले मे सामने आया कि ठगी का पीड़ित छात्र बिहार के मुजफ्फरपुर के कुढ़नी थाना इलाके के मादापुर रायती निवासी है। उसकी दोस्ती दो लड़कों से हुई थी। पढ़ाई के दौरान कुछ परेशान रहने लगा तो इस पर दोनों दोस्तों ने नीट में अच्छे से अच्छे नंबर दिलाने का झांसा दिया। जिसके लिये 13 लाख रुपए की मांग की। इसके बाद छात्र ने अपनी बहन की शादी के लिए पिता की ओर से खाते में डाले हुए 8.50 लाख रुपए निकाल कर आरोपी को दे दिए। जवाहर नगर थानाघिकारी रामलक्ष्मण ने बताया कि बिहार निवासी एक छात्र ने नीट की परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने के नाम पर उससे साढ़े आठ लाख की ठगी होने की शिकायत दी। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में फरियादी छात्र व रूपये की ठगी करने वाला छात्र भी बिहार का निवासी है और दोनों दोस्त हैं। मामले में फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।

# बीस लाख की अवैध शराब मय वाहन जब्त

**उदयपुर, (निसं)।** उदयपुर में पुलिस ने बीस लाख की अवैध शराब मय पिकअप वाहन जब्त किया है।

महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव के आदेश पर डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू, डबोक थानाधिकारी हुकमसिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबीर से मिली सूचना पर ओडवाड़ीया से झंझेला मार्ग पर तालाब के पास श्मशान भूमि के तरफ रास्ते पर एकांत में पिकअप वाहन खड़ा था। जिसका त्रिपाल हटा कर तलाशी ली तो उसमें 78 कर्टन अवैध शराब के पाए गए। इसी दौरान भैसड़ा कला में आवलिया का कुआ से भैसड़ा कला गांव रोड़ पर किशन पुत्र गणेश डांगी के मकान के पास बाड़े में होने पर मौके पर दबीश देकर 180 कर्टन अवैध शराब के जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। इस दौरान किशन के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। बरामद शराब की बाजार कीमत बीस लाख रूपये बताई जाती है।

# डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने मानसून फेस्ट में शिकरत की

**अजमेर, (कासं)।** डीएवी कॉलेज के खेल मैदान में अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की मातृ शक्ति की ओर से मानसून फेस्ट का आयोजन किया गया। महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा आयोजित यह उत्सव सशक्तिकरण, मनोरंजन और जागरूकता का संगम बना। इसमें महिलाओं के मनोरंजन के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं हुई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मानसून फेस्ट में महिलाओं के साथ बच्चों के मनोरंजन का भी विशेष ध्यान रखा गया। बच्चों के विभिन्न प्रकार के झूले व 30-40 प्रकार की स्टॉलें लगाई गई।

विधायक अनिता भदेल ने बताया किमहिलाओं को जागरूक तथा उनके अधिकारों की जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। यहां पर महिलाओं को कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए स्वास्थ्य विभाग ने भी शिविर लगाया। साथ ही अन्य व्यवस्थाएं भी की गई। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर राहटकर, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, राज्य मंत्री मंजू बाघमार, विधायक अनिता भदेल, लाडपुरा विधायक कल्पना देवी, राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, पूर्व विधायक अनिता सिंह गुर्जर आदि ने भी शिरकत की।

# सांसद राजकुमार रोत के आरक्षण पर पूर्व में दिए बयान पर भील समाज ने किया हंगामा

## सांसद रोत का विरोध करने पहुंचे भील समाज और पुलिस में लाठी-भाटा जंग हुई

**झालावाड़, (निसं)।** आदिवासी दिवस के अवसर पर झालावाड़ में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत के आरक्षण पर दिए पूर्व के बयान पर भील समाज के ही एक अन्य गुट ने हंगामा कर दिया।

जानकारी के अनुसार राजकुमार रोत का विरोध कर रहे लोग पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अरविंद भील के नेतृत्व में कार्यक्रम के मंच तक पहुंच गए और राजकुमार रोत के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। राजकुमार रोत का कहना है कि कुछ लोगों ने रोत पर हमला करने का भी प्रयास किया। मौके पर राजकुमार ने विरोध करने वालों से कहा कि वह झंडे नीचे कर ले और मंच पर आकर बैठें, कोई मनमुटाव है तो उसको दूर कर लेंगे, लेकिन विरोध करने वाले लोगों ने एक ना सुनी और लगातार नारेबाजी करते रहे, ऐसे में पुलिस द्वारा राजकुमार रोत का विरोध कर रहे लोगों को कार्यक्रम स्थल से दूर ले जाकर खड़ा कर दिया गया। कुछ देरी के बाद जब पुलिस दूसरे गुट का नेतृत्व कर रहे अरविंद भील को समझाइश करते हुए अपने साथ लेकर जाने लगी तब लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। कुछ दूरी पर जाकर अरविंद भील ने अपने समर्थकों से हंगामा नहीं करने की अपील भी की, लेकिन इसी बीच कुछ लोगों ने पत्थर फैंक दिए और मौके पर भगदड़ मच गई। ऐसे में पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा तथा पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए पत्थरबाजों एवं हंगामा करने वाले लोगों को खदेड़ दिया। पत्थरबाजी में कुछ पुलिसकर्मियों के चोटिल होने की बात भी सामने आई है। मौके पर कुछ बदमाश पुलिस पर बड़े-बड़े पत्थर उठाकर हमला कर रहे थे, ऐसे में पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया जाना जरूरी हो गया था, अन्यथा कोई बड़ी दुर्घटना भी घट सकती थी। हंगामा कार्यक्रम स्थल से लगभग आधा किलोमीटर की दूरी पर हुआ। हंगामे के दौरान कई दो पहिया वाहन टूट गए तथा भगदड़ के दौरान लोग आसपास के घरों में घुस गए, जहां से अराजक तत्वों को पुलिस द्वारा जबरदस्ती बाहर निकाल गया। मामले में पुलिस द्वारा अरविंद भील सहित कुछ लोगों को डिटेन किया गया है।

आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम में पहुंचे सांसद का विरोध करने पर पुलिस व भील समाज के लोगों के बीच झड़प हुई।

- सांसद राजकुमार रोत ने विरोध करने के मामले में बीजेपी पर निशाना साधा, कहा कि इस हंगामे के पीछे भाजपा संगठन से जुड़े लोग शामिल हैं, जो लोग मेरा विरोध कर रहे हैं

सांसद राजकुमार रोत ने विरोध करने के मामले में बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस हंगामे के पीछे भाजपा संगठन से जुड़े लोग शामिल हैं, जो लोग मेरा विरोध कर रहे हैं। उन्हें बता दूं कि मुझे झालावाड़ से चुनाव नहीं लड़ना। जो लोग मुझसे लड़ने आए, वह समाज के मानसिक विकलांग हैं, जो लड़ाई करने आए थे, उन पर बड़े राजनीतिक घरों के लोगों का श्रेय था। सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि 2016 में हमला करने वाले आज हमारे साथ खड़े हैं। मैं अपने दावे के साथ कहता हूं, आज जो भी आए थे, कुछ तो नासमझ थे। उनको दुनियादारी से कोई मतलब नहीं। उनको उकसाया गया, वो भी एक दिन साथ खड़े होंगे, जो हमसे 8 साल पहले लड़ाई करने आए थे, वो भाई आज हमारे साथ खड़े हैं। उनके आज समझ आया, हमें खुशी है। जब 2016 में हम पर हमला हुआ था। हमारे साथी आज आसपुर से विधायक हैं। उनका हाथ फ्रैक्चर हुआ था। हमारे ही कुछ भाई जो मानसिक रूप से दिव्यांग थे, उन्होंने किसी के कहने पर हमला कर दिया था। हालांकि खुशी इस बात की है कि आज वहीं भाई हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हमें बांट रहे हैं, लेकिन हमें अपने लिए लड़ना पड़ेगा और लड़ेंगे।

स्कूल हादसे पर राजकुमार रोत ने कहा कि झालावाड़ स्कूल हादसे पर सरकार ड्रामा कर रही है। सांसद रोत ने झालावाड़ स्कूल हादसे पर भी प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की 10-10 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा केवल औपचारिकता है। इस घटना के बाद प्रशासन ने अंतिम संस्कार में मां-बाप को भी शामिल नहीं होने दिया गया, जबकि प्लेन हादसे में प्रत्येक व्यक्ति को एक करोड़ का मुआवजा दिया। रोत ने कहा कि समाज के बच्चों को 10 लाख नहीं दिए हैं, यह सहायता तो सरकार की योजना है। सरकार ने अलग से कुछ नहीं दिया। केवल ड्रामा कर रहे हैं।

# सैन्य प्रतिष्ठानों के पास अफीम तस्कर गिरफ्तार

**बीकानेर, (कासं)।** स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले बीकानेर में सेना की इंटेलिजेंस यूनिट और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़ा नशा तस्करी रैकेट सामने आया है। इस कार्रवाई के दौरान बीकानेर के शोभासर सर्कल से 452 ग्राम अफीम के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है।

यह इलाका न केवल व्यावसायिक रूप से व्यस्त है बल्कि भारतीय सेना और वायुसेना के महत्वपूर्ण ठिकानों के बेहद करीब भी है। गिरफ्तार युवक की पहचान सुनील उपाध्याय पुत्र सत्यनारायण उपाध्याय निवासी मेघासर के रूप में हुई है। यह युवक पिछले 4 से 5 वर्षों से शोभासर चौराहे पर ब्राह्मण होटल नामक ढाबा चला रहा था, जो नशे के तस्करी का अड्डा बन चुका था। सेना की इंटेलिजेंस टीम को 2 अगस्त की रात यह इनपुट मिला कि शोभासर क्षेत्र में कुछ संदिग्ध व्यक्ति अफीम की बड़ी खेप लेकर पहुंचने वाले हैं। यह सूचना तत्काल डीएसटी के एएसआई रामकरण सिंह और बीछवाल थाना प्रभारी एसआई कमलजीत कौर के साथ साझा की गई। दोनों टीमों ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और सुनील को मौके से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 452 ग्राम अफीम बरामद की गई जो वाणिज्यिक मात्रा में आती है और इसकी बाजार कीमत लाखों में आंकी जा रही है।

# मासूम का शव नाडी में मिला

**भीलवाड़ा, (निसं)।** शहर के उपनगर पुर में रविवार को अचानक उस वक्त मातम पसर गया, जब पता चला कि चार साल के मासूम शिफान पिता मोहम्मद मोहसिन की नाडी में लाश मिली है। हर कोई शोक संतप्त हो गया। जानकारी के अनुसार शिफान घर से शनिवार शाम चार बजे लापता हुआ था। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी कोशिश की, लेकिन पता नहीं चला, फिर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कई जगह की तलाश की लेकिन सफलता नहीं मिली। रविवार सुबह अचानक तैरता हुआ शव नाडी में नजर आया। स्थानीय लोगों का

आरोप है कि बस्ती में ही पार्षद और प्रशासन की लापरवाही से क्षेत्र में बरसाती गड्ढों में पानी भरा हुआ है जिसके चलते आए दिन हादसे हो रहे हैं। इसे ही एक बरसाती गड्ढे में डूबने से शिफ़ान की मौत हुई है।